CLASS : VII

पाठ - 5 पिता का पत्र

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य मे दीजिए -

(क) महात्मा गांधी ने किसे पत्र लिखा?

उ० महात्मा गांधी ने अपने बडे पुत्र को पत्र लिखा।

(ख) गांधी जी ने सच्ची शिक्षा किसे कहा है?

उ० गांधी जी ने सच्ची शिक्षा चरित्र निर्माण और कर्तव्य बोध को कहा है।

(ग) गांधी जी के अनुसार महत्वपूर्ण विषय कौन से हैं?

उ० गांधी जी के अनुसार महत्वपूर्ण विषय गणित और संस्कृत हैं।

(घ) अक्षर ज्ञान किसलिए प्राप्त किया जाता है?

उ० अक्षर ज्ञान तो इसलिए होता है कि जो कुछ मिला, उसे तुम दूसरों को दे सको।

(ङ) गांधी जी अपने पुत्र को क्या बनाना चाहते थे?

उ० गांधी जी अपने पुत्र को एक योग्य किसान बनाना चाहते थे।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बिस्तार से लिखिए –

(क) गांधी जी ने अपने पुत्र के ऊपर किस प्रकार की जवाबदारी डाली थी?

उ० गांधी जी ने अपने पुत्र के ऊपर 'बा' की देखभाल की जिम्मेदारी की जवाबदारी डाली थी।

(ख) गांधी जी के अनुसार बच्चों को बारह वर्ष की उम्र के बाद किस कर्तव्य का भान होना चाहिए?

उ० गांधी जी के अनुसार बच्चों को बारह वर्ष की उम्र के बाद जवाबदारी और सत्य एंव अंहिसा पालन के कर्तव्य का भान होना चाहिए।

(ग) अमीरी की तुलना में गरीबी अधिक सुखद क्यों है?

Date :
Page No :

उ० अमीरी की तुलना मे गरीबी अधिक सुखद है क्योंकि आपका मन शांत रहता है और गरीबी मे व्यक्ति अपनी मेहनत व ईमानदारी से आत्मसंतोषी रहता है।

(घ) शांतचित्त से सभी सद्गुणों को प्राप्त करने की शिक्षा गांधी जी ने क्यो दी?

उ० शांतचित्त से सभी सद्गुणो को प्राप्त करने की शिक्षा गांधी जी ने दी क्योंकि शांतचित्त से सोचने और समझने की शक्ति बढ़ती है।

(ङ) गांधी जी ने कौन -कौन विषयों को उपयोगी बताया है?

उ० गांधी जी ने गणित एवं संस्कृत विषयों को उपयोगी बताया है।

पाठ -5

CLASS :- VII

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नो के उत्तर लिखिए

" संसार मे - - - - - - - नही मिलेगा"

(क) संसार में कौन - कौन तीन चीजें महत्वपूर्ण है ?

उ० संसार मे अपनी आत्मा, अपने आपका और ईश्वर का सच्चा ज्ञान प्राप्त करना महत्वपूर्ण है।

(ख) यह बात किसने - किससे कही है ?

उ० गांधी जी ने अपने पुत्र से

(ग) सच्चे ज्ञान से क्या आशय है ?

अपनी आत्मा, अपने आपका और ईश्वर का ज्ञान ही सच्चा ज्ञान है।

(घ) अक्षर ज्ञान न मिलने का क्या तात्पर्य है ?

उ० गांधी जी के अनुसार अक्षर ज्ञान न मिलने का तात्पर्य है कि जिस मनुष्य को स्वयं अक्षर ज्ञान नही होता वह दूसरे मनुष्य को ज्ञान नही बांट सकता।

CLASS:- VII

पाठ-6 अन्याय के विरोध में

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए -

(क) लेखक ने जूलिया को किसलिए बुलाया?

उ० लेखक ने जूलिया को उसकी तनख्वाह का हिसाब करने के लिए बुलाया।

(ख) जूलिया को लेखक के घर में काम करते हुए कितना समय हो गया था?

उ० जूलिया को लेखक के घर में काम करते हुए दो महीने पांच दिन हो गए थे।

(ग) जूलिया का चेहरा पीला क्यों पड़ गया था?

उ० लेखक द्वारा जूलिया के पैसे कम करने की बात सुनकर उसका चेहरा पीला पड़ गया था।

(घ) लेखक के अनुसार जूलिया ने कितने नागे किए थे?

उ० लेखक के अनुसार जूलिया ने बारह नागे किए।

(ङ.) लेखक की पत्नी ने जूलिया को कितने रूबल दिए थे?

उ० लेखक की पत्नी ने जूलिया को तीन रूबल दिए थे।

पाठ - 6

CLASS : VII

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए -

(क) जूलिया कौन थी? उसको किसने अपने कमरे में बुलाया और क्यों?

उ० जूलिया एक गवर्नेस थी। उसको लेखक ने अपने कमरे में बुलाया था। क्योंकि वह उसकी तनख्वाह का हिसाब करना चाह रहा था।

(ख) जूलिया ने अपने मालिक को अपनी तनख्वाह कितनी बताई?

उ० जूलिया ने अपने मालिक को अपनी तनख्वाह तीस रूबल प्रति माह बताई।

(ग) जूलिया चुपचाप अन्याय क्यों सहती रही?

उ० जूलिया अपने दब्बू, भीरु और बोदा स्वभाव के कारण अन्याय सहती रही।

(घ) लेखक ने जूलिया से माफी क्यों माँगी?

Date :
Page No :

उ० लेखक ने जूलिया के प्रति किए गए क्रूर मजाक के कारण उससे माफी माँगी।

(ङ) लेखक को किस बात पर क्रोध आया?
उ० लेखक द्वारा तनख्वाह के पैसे का हिसाब गलत करने के बाद भी जूलिया ने उसे धन्यवाद दिया और उससे पैसे ले लिए। इस बात पर लेखक को क्रोध आया।

(च) तुम जूलिया की जगह होते, तो क्या करते?
उ० छात्र स्वयं सोचकर बताएँ।

आशय स्पष्ट कीजिए –
"संसार - - - - - नहीं है।"
आशय –
संसार में दब्बू और भीरु लोगों के लिए कोई जगह नहीं है क्योंकि डरपोक लोगों के प्रति समाज का नजरिया बहुत विपरीत होता है।

CLASS :- VII
पाठ - 6

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

"इस तरह - - - - - - - - लड़ना होगा।"

(क) लेखक किससे बात कर रहे हैं?

उ० लेखक गवर्नेस जूलिया से बात कर रहे हैं।

(ख) लेखक यह सीख क्यों दे रहे हैं?

उ० लेखक सीख इसलिए दे रहे हैं क्योंकि जूलिया बहुत ही भीरू और दब्बू लड़की थी।

(ग) अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए क्या करना होगा?

उ० अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए उसे निर्भय होकर पूरी ताकत के साथ इस संसार से लड़ना होगा।

(घ) इस कहानी के लेखक का नाम लिखिए

उ० इस कथा के लेखक का नाम अंतोन चेखव है।

CLASS:- VII

पाठ - 7 कोयल

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए -

(क) कोयल का रंग कैसा होता है?
उ० कोयल का रंग काला होता है।

(ख) कोयल से किस प्रकार की बोली सीखनी चाहिए?
उ० कोयल से मधुर, सुरीली बोली सीखनी चाहिए।

(ग) धरती की प्यास कौन बुझाता है?
उ० धरती की प्यास मेघ बुझाता है।

(घ) आम का स्वाद कैसा है?
उ० आम का स्वाद खट्टा-खट्टा है।

(ङ) इस कविता की कवयित्री कौन है?
उ० इस कविता की कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान है।

CLASS :- VIII

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए —

(क) आम मीठे कैसे हो जाते है?

उ० आम पकने के बाद मीठे हो जाते है।

(ख) कोयल कब किस वृक्ष पर बैठकर कूकती है?

उ० कोयल आम के वृक्ष पर बैठकर कूकती है।

(ग) बच्चे कोयल को जाने के लिए क्यो कह रहे है?

उ० बच्चे कोयल को मेघों से मीठी बोली बोलकर वर्षा करवाने हेतू जाने के लिए कह रहे है।

(घ) बादलों के होने से क्या होता है?

उ० बादलों के होने से बारिश होती है।

(ङ) कोयल को सभी क्यों पसंद करते है?

उ० कोयल मीठा बोलती है इसलिए सभी उसे पसंद करते है।

Date : ....
Page No : ....

CLASS : VII

2. निम्न पंक्तियों की व्याख्या कीजिए

यही — — — — — — भरे-भरे।

व्याख्या →

कवयित्री कहती है कि आम के पेड़ पर अभी जो हरे एवं खट्टे आम लगे थे, वे कोयल के कूकने की वजह से पीले और रस भरे हो जाएँगे।

3. निम्नलिखित भाव की पंक्तियों कविता से चुनकर लिखिए —

कोयल! यह मिठास क्या तुमने
अपनी माँ से पाई है?
माँ ने ही क्या तुमको मीठी
बोली यह सिखलाई है?

डाल-डाल पर उड़ना-गाना,
जिसने तुम्हें सिखाया है।
सबसे मीठा-मीठा बोलो!
यह भी तुम्हें बताया है।

Date : ....
Page No : ....

नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नो के उत्तर लिखिए
हमें - - - - - - - - - बुलाएँगे।

(क) कोयल कहाँ पर गाएगी ?
उ० कोयल आम के पेड पर गाएगी।

(ख) बच्चों को देखकर कौन टपक पड़ेंगे ?
उ० बच्चो को देखकर आम टपक पड़ेंगे

(ग) बच्चे किस फल की बात कर रहे हैं ?
उ० बच्चे आम के फल की बात कर रहे है।

(घ) 'कोयल' शब्द का वर्ण-विच्छेद कीजिए
उ० क् + ओ + य् + अ + ल् + अ

CLASS:- VII

पाठ - 8 तीर्थयात्रा

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए -

(क) हेमराज के इलाज के लिए किसे बुलाया गया?

उ० हेमराज के इलाज के लिए वैद्य को बुलाया गया।

(ख) हेमराज को क्या हो गया था?

उ० हेमराज को मियादी बुखार हो गया था

(ग) लाजवंती ने क्या संकल्प लिया?

उ० लाजवंती ने तीर्थयात्रा पर जाने का संकल्प लिया।

(घ) हरो क्यों रो रही थी?

उ० हरो की बेटी की शादी पैसे की कमी के कारण नहीं हो पा रही थी इसलिए वह रो रही थी।

Date :
Page No :

(ङ) लाजवंती कौन थी?
उ० लाजवंती गाँव की एक महिला थी जिसके बहुत समय बाद एक बच्चा हुआ था।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए
(क) गाँव की स्त्रियाँ बच्चे के लिए सदा चिंतित रहनेवाली लाजवंती से क्या कहती थीं?
उ० गाँव की स्त्रियाँ बच्चे के लिए सदा चिंतित रहनेवाली लाजवंती से कहती थी, "हमारे भी तो बच्चे हैं, तू जरा-जरा सी बात में यों पागल क्यों हो जाती है?"

(ख) दुर्गादास वैद्य को गाँववाले लुकमान क्यों समझते थे?
उ० दुर्गादास वैद्य को गाँववाले लुकमान इसलिए समझते थे क्योंकि सैकड़ो रोगी उनके हाथो स्वस्थ होते थे।

(ग) माँ हरो क्यों रो रही थी?
उ० बेटी के विवाह की चिंता के कारण उसकी माँ हरो रो रही थी।

Date : ....
Page No : ....

(घ) अपना संचित धन देते हुए लाजवंती क्यों प्रसन्न हुई?

उ० अपना संचित धन देते हुए लाजवंती इसलिए प्रसन्न हुई क्योंकि इससे उसे आत्मसंतोष प्राप्त हुआ था।

(ङ) हरो और लाजवंती में से आपको कौन-से पात्र ने प्रभावित किया? कारण सहित उत्तर लिखिए।

उ० हरो और लाजवंती में से हमें लाजवंती ने प्रभावित किया क्योंकि उसने किसी की मदद के लिए अपनी इच्छा का त्याग किया। जो पैसे उसने तीर्थयात्रा के लिए रखे थे, उन्हें हरो की बेटी की शादी में खर्च के लिए दे दिए।

Date :
Page No :

निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए —

(क) वैद्य जी ने मुँह से नहीं न ही कहा परंतु हाथों ने मुँह का साथ न दिया।

उ० जब लाजवंती ने वैद्य को इलाज का पैसा दिया तो एक बार तो मानवता के नाते उनके मुँह ने लेने से इनकार किया लेकिन अगले ही पल लालच उन पर हावी हो गया और उनके हाथों ने पैसे थाम लिए।

(ख) मैं तेरी पड़ोसिन हूँ, मुझसे न छिपा।

उ० लाजवंती ने हरो से उसके दुख का का कारण पूछा और उससे कहा, "पड़ोसी ने अपने मन की बात बता दें क्योंकि पड़ोसी ही पड़ोसी के काम आता है।"

(घ) तेरी बेटी तेरी ही नहीं, मेरी भी बेटी है।

उ० प्रस्तुत पाठ में लाजवंती जो कि हरो की पड़ोसन थी उसने उसकी बेटी

को अपनी बेटी मानकर शादी के लिए
मदद की थी।
(ग) सच्चा सुख त्याग में ही है।
उ० दूसरों की भलाई करना तथा
त्याग की भावना से
ही आत्मसंतोष मिलता है।
और वही सच्चा सुख
होता है।

Date : ....
Page No : ....

CLASS : VII

पाठ - 8

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

"लाजवंती - - - - - - - - - - - रहे हो।"

(क) लाजवंती को अपना पुत्र अनोखा क्यों लगता था?

उ० लाजवंती को अपना पुत्र इसलिए अनोखा लगता था क्योंकि वही उसके जीवन का एकमात्र सहारा था। वह उसे बहुत प्यार करती थी।

(ख) उसे अपने पुत्र की चिंता क्यों रहती थी?

उ० उसे अपने पुत्र की चिंता इसलिए रहती थी क्योंकि हेमराज उसका इकलौता पुत्र था। उसे हर समय यही भय रहता था, कि कहीं उसके बेटे को कुछ हो न जाए।

(ग) इस पाठ के लेखक कौन हैं?

उ० इस पाठ के लेखक श्री सुदर्शन जी हैं।

(ख) दिए गए मुहावरों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए - दीपक बुझना, छाती से लगाकर रखना।

उ०(1) दीपक बुझना → एकलौते पुत्र के शहीद होने पर मोहन के घर का तो दीपक ही बुझ गया।

(2) छाती से लगाकर रखना → माँ यशोदा जी कृष्ण को अपनी छाती से लगाकर रखती थी।

Date :
Page No :

CLASS: VII

पाठ - 9 मजदूरी और प्रेम

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए -

(क) जगत किस आहुति से पैदा हुआ है?
उ० ब्रह्माहुति से जगत पैदा हुआ है।

(ख) किसान प्रातः काल उठकर क्या करता है?
उ० किसान प्रातः काल उठकर ईश्वर आराधना करता है।

(ग) किसान को किसमें रस आता है?
उ० किसान को आलू में रस आता है।

(घ) सच्ची ईश्वर पूजा किसे कहा गया है?
उ० मेहनत मजदूरी को ही सच्ची ईश्वर पूजा कहा गया है।

(ङ) कौमी गीत किसे कहा गया है?
उ० चरखा कातने वाली स्त्रियों के गीत को संसार के सभी देशों का कौमी गीत कहा गया है।

CLASS: VII

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए —

(क) किसान की तुलना किससे की गई और क्यों?

उ० किसान की तुलना ब्रह्मा से की गई है क्योंकि जिस प्रकार ब्रह्माहुति से जगत पैदा होता है उसी प्रकार किसान की आहुति से अन्न पैदा होता है।

(ख) किसान की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

उ० किसान की चारित्रिक विशेषताएँ निम्नलिखित हैं —

1. किसान प्राय: स्वभाव से साधु होते हैं
2. उनके लिए कर्म ही पूजा है।
3. किसान अपने पशुओं से बहुत प्रेम करता है।
4. ये अतिथियों का स्वागत बड़े ही प्रेम से करते हैं।
5. कभी किसी को धोखा नहीं देते।

Date :
Page No :

(ग) लेखक को फकीर का दर्शन होने पर कैसा प्रतीत होता है?

उ० लेखक को फकीर के दर्शन होने पर प्रतीत होता है कि नंगे सिर, नंगे पाँव, एक टोपी सिर पर, एक लंगोटी कमर में, एक काली कमली कंधे पर, एक लंबी लाठी हाथ मे लिए हुए, गाँवो का मित्र बैलो का हमजोली, पक्षियों का हमराज, महाराजाओं का अन्नदाता, बादशाहों को ताज पहनाने और सिंहासन पर बिठानेवाला, भूखों और नंगो को पालने वाला, समाज के पुष्पोद्यान का माली और खेतों का रखवाला (किसान) जा रहा है।

(घ) होटल के बने भोजन नीरस क्यों होते हैं?

उ० होटल के बने भोजन नीरस इसलिए होते हैं क्योंकि वहाँ मनुष्य मशीन की तरह बनकर काम करता है। उसके हृदय का प्रेम और मन की पवित्रता उसमें नही मिली होती।

(ङ) मजदूरी करने से क्या होता है?

उ० मजदूरी करने से हृदय पवित्र होता है, संकल्प दिव्य लोकांतर में विचरते हैं। हाथ की मजदूरी से ही सच्चे ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

(च) साधारण मजदूरी और प्रेम मजदूरी मे क्या अंतर है?

उ० मुँह, हाथ, पाँव इत्यादि का गढ़ देना साधारण मजदूरी है, परंतु मन के गुप्त भावों और अंतःकरण की कोमलता तथा जीवन की सभ्यता को प्रत्यक्ष प्रकट कर देना प्रेम मजदूरी है।

Date : ....
Page No : ....

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

" सच्चा - - - - - - - - - - - . पूजा है।"

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखो।

उ० पाठ का नाम - मजदूरी और प्रेम
लेखक - सरदार पूर्ण सिंह

(ख) लेखक को सच्चा आनंद कहाँ मिलता है?

उ० लेखक को सच्चा आनंद अपने काम में मिलता है।

(ग) सच्ची ईश्वर पूजा क्या है?

उ० मनुष्य की पूजा ही सच्ची ईश्वर पूजा है।

(घ) 'स्वर्ग-प्राप्ति' का समास विग्रह करो और नाम भी लिखो।

उ० स्वर्ग को प्राप्त,
तत्पुरुष समास

लिखित

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए-
   - (क) गांधी जी ने अपने पुत्र के ऊपर किस प्रकार की जवाबदारी डाली थी?
   - (ख) गांधी जी के अनुसार बच्चों को बारह वर्ष की उम्र के बाद किस कर्त्तव्य का भान होना चाहिए?
   - (ग) अमीरी की तुलना में गरीबी अधिक सुखद क्यों है?
   - (घ) शांतचित्त से सभी सद्गुणों को प्राप्त करने की शिक्षा गांधी जी ने क्यों दी?
   - (ङ) गांधी जी ने कौन-कौन से विषयों को उपयोगी बताया है?

2. उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थान भरिए-
   - (क) मिस्टर ___रीच___ , मिस्टर ___पोलाक___ और ___तुम्हारा___ खयाल मुझे बारी-बारी से आया।
   - (ख) मैं जानता हूँ कि तुम्हें अपनी ___शिक्षा___ के प्रति असंतोष है।
   - (ग) आचार-विचार में ___सत्य___ और ___अहिंसा___ के प्रयोग की चेष्टा करनी चाहिए।
   - (घ) सभी ___औज़ारों___ को सदा साफ़ और सुव्यवस्थित रखना।
   - (ङ) अमीरी की तुलना में ___गरीबी___ अधिक मूल्यवान है।

3. वाक्यों को पाठ के क्रमानुसार पुनः लिखिए-
   - (क) खेत में घास खोदने में पूरा समय देना।
   - (ख) संसार में तीन चीज़ें महत्त्वपूर्ण हैं।
   - (ग) केवल अक्षर ज्ञान ही शिक्षा नहीं है।
   - (घ) तुम उसके सर्वथा योग्य हो।
   - (ङ) मैं पूर्णरूप से शांति में हूँ।

   मैं पूर्णरूप से शांति मे हूँ।
   तुम उसके सर्वथा योग्य हो।
   केवल अक्षर ज्ञान ही शिक्षा नहीं है।
   संसार में तीन चीजें महत्त्वपूर्ण है।
   खेत में घास खोदने मे पूरा समय देना।

विषय-वस्तु का बोध

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

'संसार में तीन चीज़ें महत्वपूर्ण हैं, इनको प्राप्त कर तुम संसार के किसी भी कोने में जाओगे तो अपना निर्वाह कर सकोगे। ये तीन बातें हैं- अपनी आत्मा का, अपने आपका और ईश्वर का सच्चा ज्ञान प्राप्त करना। इसका मतलब यह नहीं कि तुम्हें अक्षर ज्ञान नहीं मिलेगा।''

(क) संसार में कौन-सी तीन चीज़ें महत्वपूर्ण हैं?
(ख) यह बात किसने-किससे कही है?
(ग) सच्चे ज्ञान से क्या आशय है?
(घ) अक्षर ज्ञान न मिलने का क्या तात्पर्य है?

1. अनुस्वार एक स्वर रहित व्यंजन है जबकि अनुनासिक स्वरों का गुण है। प्रत्येक स्वर अनुनासिक होता है। आइए पढ़िए-

अँ, आँ, इँ, ईं, उँ, ऊँ, एँ, ऐं, ओं, औं

(क) वर्ण-विच्छेद कीजिए-

लिखूँ = ल् + इ + ख् + ऊ + ँ
मैं = म् + ऐं
यहाँ = य् + अ + ह् + आँ
उन्होंने = उ + न् + ह् + ओं + न् + ए
बातें = ब् + आ + त् + एं

(ख) अनुस्वार पढ़िए और पहचानिए-

आनन्द	-	आनंद
पसन्द	-	पसंद
सङ्ग्रह	-	संग्रह
लम्बा	-	लंबा

2. पाठ में आए विशेषण शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाइए-

शांत	-	शांति
गरीब	-	गरीबी
अच्छा	-	अच्छाई
गहरा	-	गहराई
सच्चा	-	सच्चाई
ज्ञानी	-	ज्ञान
उदार	-	उदारता
योग्य	-	योग्यता
सरल	-	सरलता
सत्य	-	सत्यता
छोटा	-	छोटापन
हिंसक	-	हिंसकता

3. वाक्य-विचार

भाषा में अनेक ऐसे शब्द आते हैं जिनके अर्थ में बहुत थोड़ा अंतर होने के कारण उन्हें प्रायः एक दूसरे का समानार्थी समझ लिया जाता है परंतु वास्तव में उनमें अर्थ का अंतर होता है, अतः वे अर्थभेदवाले शब्द कहलाते हैं।

पाठ में प्रयुक्त कुछ ऐसे ही शब्दों के अर्थ पढ़िए-

अमूल्य	जिसका कोई मूल्य न हो
बहुमूल्य	जिसका मूल्य बहुत अधिक हो
आयु	जीवन काल
अवस्था	हालत, दशा
ध्यानपूर्वक	ध्यान लगाकर
विचारपूर्वक	विचार करके
अक्षर ज्ञान	(वर्णों) शब्दों का ज्ञान
शिक्षा	विद्या, ज्ञान

4. अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए-

(क) प्रतिमास पत्र लिखने की अधिकार मैं प्राप्त था। प्रतिमास मुझे एक पत्र लिखने का अधिकार प्राप्त था

(ख) मैं संपूर्ण रूप से शांति में हूँ। मैं पूर्णरूप से शांति में हूँ।

(ग) मैं जानती हूँ कि तुम्हें अपना शिक्षा के प्रति असंतोष है। मैं जानता हूँ कि तुम्हें अपनी शिक्षा के प्रति असंतोष

(घ) तुम्हारा आधा शिक्षा तो इसके द्वारा पूरी हो जाता है। तुम्हारी आधी शिक्षा तो इसके दवारा ही पूरी हो जाती है

(ङ) जेल में मुझे यहाँ खूब पढ़ी है। जेल में मैंने यहाँ खूब पढ़ा है।

पाठ से आगे

1. कभी आपके माता-पिता ने आपको कोई काम सौंपा और आपने उसे बखूबी निभाया। अपना अनुभव कक्षा में बताइए।

2. आज के युग में भी 'सत्य अहिंसा का मार्ग ही श्रेष्ठ है'। इस विषय पर अपनी कल्पना से लिखिए।

3. 'समय का सदुपयोग' विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

(ख) जूलिया ...

(ग) जूलिया का चेहरा पीला क्यों पड़ गया था?

(घ) लेखक के अनुसार जूलिया ने कितने नागे किए थे?

(ङ) लेखक की पत्नी ने जूलिया को कितने रूबल दिए थे?

लिखित

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए-

(क) जूलिया कौन थी, उसको किसने अपने कमरे में बुलाया और क्यों?

(ख) जूलिया ने अपने मालिक को अपनी तनख्वाह कितनी बताई?

(ग) जूलिया चुपचाप अन्याय क्यों सहती रही?

(घ) लेखक ने जूलिया से माफ़ी क्यों माँगी?

(ङ) लेखक को किस बात पर क्रोध आया?

(च) तुम जूलिया की जगह होते, तो क्या करते?

2. आशय स्पष्ट कीजिए-

"संसार में दब्बू और भीरु लोगों के लिए कोई जगह नहीं है।"

3. पाठ के आधार पर वाक्यों के सामने सही (✓) और गलत (✗) का निशान लगाइए-

(क) लेखक सब कुछ डायरी में नोट करके रखता था। ✓

(ख) लेखक ईमानदार व सच्चा इनसान था। ✓

(ग) लेखक जूलिया को धोखा देना चाहता था। ✗

(घ) लेखक जूलिया को सबक सिखाना चाहता था। ✓

(ङ) जूलिया सीधी-सादी थी। ✓

(च) जूलिया ने लेखक द्वारा बताई गई सभी छुट्टियाँ की थीं। ✗

(छ) जूलिया को अंत में 20 रूबल ही मिले। ✗

विषय-वस्तु का बोध

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

"इस तरह खामोश रहने से काम नहीं चलेगा। अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए तुम्हें कठोर, निर्भय, हृदयहीन संसार से लड़ना होगा।"

(क) लेखक किससे बात कर रह हैं?

(ख) लेखक यह सीख क्यों दे रहे हैं?

(ग) अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए क्या करना होगा?

(घ) इस कहानी के लेखक का नाम लिखिए।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित विशेषण शब्दों की भाववाचक संज्ञा शब्द बनाइए-

बोदा	-	बोदापन	निर्भय	-	निर्भयता
दब्बू	-	दब्बूपन	हृदयहीन	-	हृदयहीनता
भीरु	-	भीरुता	ठग	-	ठगी
कठोर	-	कठोरता	धोखेबाज़	-	धोखेबाजी
भारतीय	-	भारतीयता	बच्चा	-	बचपन

2. उर्दू शब्दों के हिंदी समानार्थी शब्द लिखिए-

खयाल	-	विचार	सिर्फ़	-	केवल
ज़रूरत	-	आवश्यकता	नुकसान	-	घाटा
तनख्वाह	-	वेतन	यकीन	-	विश्वास
हमेशा	-	सदा	खामोश	-	चुपचाप
रजनी	-	रात	अरुण (उर्दू शब्द नहीं)		सूर्य

3. पाठ मे से तीन व्यक्तिवाचक, जातिवाचक और भाववाचक संज्ञा शब्द लिखिए-

व्यक्तिवाचक संज्ञा	-	जूलिया	तान्या	कोल्या
जातिवाचक संज्ञा	-	गवर्नेस	प्लेट	जूते
भाववाचक संज्ञा	-	पीलापन	कठोरता	क्रोध

4. दिए गए वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए-

(क) जिसके अंदर भय न हो — निर्भय

(ख) जो इंसानियत करे — उपकारी

(ग) जिसका हृदय कठोर हो — निर्मम

(घ) जो न्याय के विरुद्ध हो — अन्यायी

5. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

(क) चेहरा पीला पड़ना - घबरा जाना

झूठ पकड़े जाने पर उसका चेहरा पीला पड़ गया

(ख) आग बबूला होना - गुस्सा होना

नौकर को चोर करते देख मैं आग बबूला हो गया।

(ग) क्रोध पर ठंडे पानी का छींटा मारना - गुस्सा शांत करना

मेरा मित्र मेरे क्रोध पर ठंडे पानी के छींटे मारता है।

(घ) सबक सिखाना - सीख देना

बच्चों की शरारत से नाराज होकर गुरु जी बोले - "आज तुम लोगों को सबक सिखाना होगा।"

पाठ से आगे

सोचो ज़रा यदि हम अंग्रेज़ों से पूर्ण स्वराज्य न माँगते तो क्या वे हमें देते? इस कहानी से हमें व्यावहारिकता की शिक्षा मिलती है इसलिए याद रखिए कि हमको भला बनना चाहिए, भीरु और दब्बू नहीं।

1. 'अन्याय सहन करना उतना ही पाप है जितना की अन्याय करना।' इस विषय पर एक लेख लिखिए।

2. अपने घर की सेविका का भावनात्मक साक्षात्कार लीजिए। अपने मित्रों द्वारा लिए गए साक्षात्कार पढ़िए। जानिए कि आपके सेवक किन-किन परेशानियों से गुज़रते हैं।

3. यदि लेखक की जगह आप होते तो क्या करते?

2. निम्न पंक्तियों की व्याख्या कीजिए-

यही आम जो अभी लगे थे,
खट्टे-खट्टे, हरे-हरे।
कोयल कूकेगी तब होंगे,
पीले और रस भरे-भरे।।

3. निम्नलिखित भाव की पंक्तियाँ कविता से चुनकर लिखिए-

हमारी माँ बहुत प्यारी है, क्या तुम्हारी भी माँ है जिसने तुम्हें डाल पर उड़ना, मीठा बोलना सिखाया है?

कोयल ! यह मिठास क्या तुमने
यह भी तुम्हें बताया है।

4. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए-

बहुत भली हो, तुमने माँ की,
बात सादा ही है मानी।
इसीलिए तो तुम कहलाती,
हो सब चिड़ियों की रानी

विषय-वस्तु का बोध

नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

हमें देखकर टपक पड़ेंगे,
हम खुश होकर खाएँगे।
ऊपर कोयल गाएगी,
हम नीचे उसे बुलाएँगे।।

(क) कोयल कहाँ पर गाएगी?
(ख) बच्चों को देखकर कौन टपक पड़ेंगे?
(ग) बच्चे किस फल की बात कर रहे हैं?
(घ) 'कोयल' शब्द का वर्ण-विच्छेद कीजिए।

भाषा-बोध

1. प्यासी धरती, काली कोयल

'प्यासी एवं काली' शब्द क्रमशः 'धरती एवं कोयल' की विशेषता बता रहे हैं। संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।

निम्नलिखित संज्ञा शब्दों के साथ उपयुक्त विशेषण जोड़कर लिखिए-

तेज धूप

हरा पेड़

मीठा आम

मधुर गाना

प्यारी माँ

2. दिए गए शब्दों के वचन बदलिए-

बोली	-	बोलियाँ	मेघों	-	मेघ
गाना	-	गाने	डाल	-	डालियाँ
चिड़िया	-	चिड़ियाँ	आमों	-	आम

3. दिए गए शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए-

मिसरी	-	स्त्रीलिंग	कोयल	-	स्त्रीलिंग
चिड़िया	-	स्त्रीलिंग	दरवाज़ा	-	पुल्लिंग
आम	-	पुल्लिंग	संदेशा	-	पुल्लिंग

4. वाक्य में क्रिया का प्रयोग लिंग के अनुसार ही किया जाता है। जैसे-

- आम खा लिया।
- लीची खा ली।

निम्नलिखित वाक्यों में उचित क्रिया शब्द भरिए-

कोयल कूकती है। कौआ काँव-काँव करता है। बादल वर्षा करता है। बिजली चमकती है।

पाठ से आगे

1. आप अपनी माँ से क्या-क्या सीखते हैं?

2. 'मीठी बोली का महत्व' विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

3. अगर आपका कोई मित्र आपसे अभद्र व्यवहार करता है तो आप उसके साथ कैसा व्यवहार करेंगे?

निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) वैद्य जी ने मुँह से नहीं-नहीं कहा परंतु हाथों ने मुँह का साथ न दिया।

(ख) मैं तेरी पड़ोसिन हूँ, मुझसे न छिपा।

(ग) सच्चा सुख त्याग में ही है।

(घ) तेरी बेटी तेरी ही नहीं, मेरी भी बेटी है।

निम्नलिखित कथन किसने-किससे कहा?

कथन	किसने	किससे
(क) "सिर में दर्द हो रहा है।"	हेमराज ने	लाजवंती से
(ख) "बुखार उतर जाएगा।"	वैद्य ने	लाजवंती से
(ग) "तुम्हारा परिश्रम सफल हो गया।"	रामलाल ने	लाजवंती से
(घ) "जाने यह नाव कैसे पार लगेगी!"	हरो ने	लाजवंती से
(ङ) "तुम्हारा संकट मैं दूर करूँगी।"	लाजवंती ने	हरो से
(च) "तो क्या करोगी? क्या कन्या कुँवारी बैठाकर रखोगी?"	लाजवंती ने	हरो से

4. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य प्रयोग कीजिए-

नारी-हृदय - नारी-हृदय पिघल गया।

मियाद - अब बुखार की मियाद पूरी हो गई।

परिक्रमा - मैं मंदिर की परिक्रमा कर आई हूँ।

अधीर - लाजवंती का मन अधीर हो रहा था।

मनोरथ - मेरे सारे मनोरथ पूर्ण हो गए।

विषय-वस्तु का बोध

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

"लाजवंती की आँखों में वैसा बालक सारे संसार में न था। लाजवंती को उसकी इतनी चिंता थी कि दिन-रात उसे छाती से लगाए फिरती थी, मानो वह कोई दीपक हो, जिसे बुझाने के लिए हवा के तेज झोंके बार-बार आक्रमण कर रहे हों।"

(क) लाजवंती को अपना पुत्र अनोखा क्यों लगता था?

(ख) उसे अपने पुत्र की चिंता क्यों रहती थी?

(ग) इस पाठ के लेखक कौन हैं?

(घ) दिए गए मुहावरों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए- दीपक बुझना, छाती से लगाकर रखना।

भाषा-बोध

1. नीचे दिए समरूपी भिन्नार्थक शब्दों-अर्थों को पढ़िए। देखिए, केवल नुकता लगाने से इनके अर्थ में परिवर्तन हो गया-

तेज	-	आभा, चमक	जरा	-	बुढ़ापा
तेज़	-	तीव्र	ज़रा	-	थोड़ा-सा

निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए-

फन	-	साँप का फन	जलील	-	पूज्य
फ़न	-	कला, हुनर	ज़लील	-	अपमानित

2. पाठ में आए निम्नलिखित शब्दों के हिंदी समानार्थी लिखिए-

नज़र	-	दृष्टि	सख्त	-	कठोर
बुखार	-	ज्वर	तरफ़	-	ओर
आखिरी	-	अंतिम	ज़रूर	-	निश्चित
मियाद	-	निश्चित समय	आवाज़	-	पुकार, बोली
कृतज्ञता	-	एहसानमंद	सहानुभूति	-	हमदर्दी

3. छ ट ठ ड ढ द र ह – वर्णमाला के इन गोल आकृतिवाले वर्णों को स्वर रहित बनाने के लिए हलंत का प्रयोग किया जाता है।

दिए गए शब्दों को पढ़िए-

वैद्‌य बुद्‌धि

छुट्‌टी हड्‌डी

अर्थ (अर्‌थ)

4. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए-

जीवन	×	मृत्यु	भय	×	निर्भय
हानिकारक	×	लाभदायक	सावधान	×	असावधान
आशा	×	निराशा	स्वस्थ	×	अस्वस्थ
मान	×	अपमान	धैर्य	×	अधैर्य
कृतज्ञ	×	कृतघ्न	आवश्यक	×	अनावश्यक

5. नीचे दिए वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

(क) उसकी आँखों में आँसू लहराने लगते। भर्राए हुए स्वर में उत्तर देती।

(ख) लाजवंती को पैरों के नीचे से धरती खिसकती मालूम होने लगी।

(ग) लाजवंती के डूबे हुए हृदय को सहारा मिल गया।

(घ) वैद्‌य जी ने नहीं-नहीं कहा परंतु हाथों ने मुँह का साथ न दिया।

उपर्युक्त वाक्यों में क्या विशेष बात दिखाई देती है? बच्चो! 'सुदर्शन' द्‌वारा लिखित इस कहानी में हमें 'मुहावरों' का बहुलता से प्रयोग मिलता है। मुहावरों के प्रयोग से भाषा रोचक तथा ग्राह्‌य हो जाती है तथा अर्थ अधिक स्पष्ट हो जाता है।

मुहावरा एक वाक्यांश होता है और इसका विशेष अर्थ में ही प्रयोग होता है न कि शाब्दिक अर्थ में; जैसे- 'डूबे हुए हृदय को सहारा' हृदय कैसे डूबेगा, सहारा कैसे मिलेगा, प्रश्न का कोई जवाब नहीं है अर्थात् स्पष्ट है कि विशेष अर्थ में इसका तात्पर्य 'निराश मन को सांत्वना मिलना' से है।

पाठ में आए मुहावरों की सूची बनाइए और किन्हीं पाँच का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

6. नीचे दिए वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

लाजवंती घबराकर ढूँढ़ने लग जाती थी। – कैसे ढूँढ़ने लगती?

हेमराज जागते ही मुँह फुलाकर बोला। – कैसे बोला?

लाजवंती देवी के सामने गिरकर देर तक रोती रही। – कब तक?

उपर्युक्त वाक्यों में रेखांकित शब्द क्रिया- (लग जाती थी, बोला, रोती रही) की विशेषता बता रहे हैं। जो शब्द क्रिया से पूर्व आकर क्रिया की विशेषता बताते हैं, क्रियाविशेषण कहलाते हैं।

पाठ में से ऐसे ही वाक्य ढूँढ़कर लिखिए-

उ० (क) वह दौड़ती हुई हेमराज के पास पहुँची।

(ख) लाजवंती ने चिंतित-सी होकर उत्तर दिया।

पाठ से आगे

जब हम परोपकार पर लिखी गई कहानियाँ पढ़ते हैं तब हमारे मन-मस्तिष्क में यह भावना आती है कि क्या हम अपने जीवन में परोपकार रूपी सच्चे सुख को प्राप्त कर पाए हैं।

इसी आधार पर लिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. अपने जीवन की किसी एक घटना का वर्णन कीजिए जब आपने परोपकार किया हो।
2. प्राचीन समय में तार सूचना देने का तीव्र साधन था। आज सूचना देने के कौन-कौन से साधन हैं?
3. आने वाले समय में विज्ञान के कौन-कौन से चमत्कार होंगे? अपनी कल्पना से लिखिए।

(घ) होटल के बने भोजन नीरस क्यों होते हैं?

(ङ) मज़दूरी करने से क्या होता है?

(च) साधारण मज़दूरी और प्रेम मज़दूरी में क्या अंतर है?

2. उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थान भरकर वाक्यों को पूरा कीजिए-

(क) हल चलानेवाले प्रायः स्वभाव से ही साधु होते हैं।

(ख) अन्न पैदा करने में किसान भी ब्रह्मा के समान है।

(ग) आदमियों का व्यापार करना मूर्खों का काम है।

(घ) सच्चा आनंद तो मुझे मेरे काम से मिलता है।

(ङ) मज़दूरी करना जीवन-यात्रा का आध्यात्मिक नियम है।

3. दिए गए कथनों के सामने सही (✓) एवं गलत (✗) का निशान लगाइए-

(क) मज़दूरी करने से हृदय पवित्र होता है। ✓

(ख) आदमियों का व्यापार करना बुद्धिमानों का काम है। ✗

(ग) मज़दूरी करना जीवन यात्रा का आध्यात्मिक नियम है। ✓

(घ) होटल में बने हुए भोजन स्वादिष्ट होते हैं। ✗

(ङ) सौ कौड़ी में एक मनुष्य बिकता है। ✗

विषय-वस्तु का बोध

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

"सच्चा आनंद तो मुझे मेरे काम से मिलता है। मुझे अपना काम मिल जाए तो फिर स्वर्ग प्राप्ति की इच्छा नहीं, मनुष्य-पूजा ही सच्ची ईश्वर-पूजा है।"

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) लेखक को सच्चा आनंद कहाँ मिलता है?

(ग) सच्ची ईश्वर पूजा क्या है?

(घ) 'स्वर्ग प्राप्ति' का समास विग्रह कीजिए और नाम भी लिखिए।

भाषा-बोध

1. दिए गए शब्दों के तत्सम रूप लिखिए-

किसान	-	कृषक	सोना	-	स्वर्ण
पात	-	पत्र	खेत	-	क्षेत्र
हाथ	-	हस्त	लकड़ी	-	काष्ठ

काम - कर्म

पाँव - पाद

सिर - शिर

कागज़ - कागद

2. दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए-

हवा - वायु पवन

जल - नीर पानी

पृथ्वी - भूमि धरा

आकाश - गगन आसमान

वृक्ष - पेड़ पादप

जंगल - कानन वन

3. निम्नलिखित शब्दों में 'इक' अथवा 'ईय' प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाइए-

दर्शन - दर्शनीय

चिंतन - चिंतनीय

परिवार - पारिवारिक

आदर - आदरणीय

संसार - सांसारिक

समाज - सामाजिक

प्रकृति - प्राकृतिक

अध्यात्म - आध्यात्मिक

4. निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

- माँ बच्चे को दूध पिला रही है।
- माँ बच्चे को आया से दूध पिलवा रही है।

उपर्युक्त वाक्य में कर्ता स्वयं कार्य-व्यापार न करके किसी अन्य को कार्य करने के लिए प्रेरित कर रहा है, ऐसी क्रिया को 'प्रेरणार्थक क्रिया' कहते हैं।

पढ़िए और समझिए-

मूल क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्विवितीय प्रेरणार्थक क्रिया
मिलना	मिलाना	मिलवाना
चरना	चराना	चरवाना
नहाना	नहलाना	नहलवाना
खाना	खिलाना	खिलवाना

अब कीजिए-

बैठना - बैठाना, बैठवाना

बेचना - बिकना, बिकवाना

हँसना - हँसाना, हँसवाना

देना - दिलाना, दिलवान

करना - कराना, करवा

पढ़ना - पढ़ाना, पढ़वा

5. दिए गए शब्दों के स्त्रीलिंग रूप लिखिए-

कवि	-	कवयित्री	अन्नदाता	-	अन्नदात्री
आज्ञाकारी	-	आज्ञाकारिणी	माली	-	मालिन
पुरुष	-	स्त्री	महाराजा	-	महारानी
विद्‌वान	-	विदुषी	देवता	-	देवी

पाठ से आगे

1. एक दशक पहले किसान जिस रूप में जीता था, आज उसके जीवन में क्या-क्या परिवर्तन आ गया है?

2. आधुनिक गाँव पर एक अनुच्छेद लिखिए।

3. आने वाले दशक में गाँव कैसे होंगे? अपनी कल्पना के आधार पर लिखिए।